आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 120 | उज्जैन, सोमवार 24 मार्च 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने पर्यावरण संवारने और सेहतमंद जीवन बनाने का संदेश देने चलाई साइकिल

भोपाल। ग्वालियर उप नगर के वाशिंदों को पर्यावरण सुरक्षा और सेहतमंद जीवन बनाने का संदेश देने के लिए ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर रविवार की सुबह कांच मील न्यू कॉलोनी स्थित अपने निवास से हजीरा इंटक मैदान सब्जी मंडी तक साइकिल से पहुँचे। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने इस दौरान सब्जी विक्रेताओं की समस्याओं को सुना और ताज़ी सब्जियां ख़रीदीं।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने समाज से स्वच्छ हवा, स्वस्थ जीवनशैली और हरियाली को अपनाने का आहवान करते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग करें ताकि प्रदूषण को कम कर पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखा जा सके। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। हम सभी को अपने जीवन में छोटी-छोटी आदतों से बड़े बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए।

बच्चों के साथ क्रिकेट

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने इंटक मैदान में क्रिकेट खेल रहे बच्चों के साथ क्रिकेट खेली तथा बच्चों को बेहतर खिलाड़ी बनकर देश का नाम रोशन करने की सलाह दी। उन्होंने क्रिकेट खेलने के लिए किट दिलाने का आश्वासन दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया जस्टिस यशवंत वर्मा के घर के अंदर का वीडियो, 4-5 बोरियों में थे अधजले नोट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर लगी आग में जले नोटों के बंडलों की वीडियो और तस्वीरें सामने आ गए। सर्वोच्च न्यायालय ने शनिवार (22 मार्च) को पुलिस और फायर ब्रिगेड से मिले सबूतों को अपनी वेबसाइट पर जारी किया।

देश के प्रधान न्यायाधीश संजीव वर्मा ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ आरोपों की आंतरिक जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित कर दी है। वहीं, जस्टिस यशवंत वर्मा को न्यायिक कामकाज से रोक दिया गया है।

जस्टिस उपाध्याय द्वारा प्रस्तुत 25 पन्नों की जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय मुद्रा के चार से पांच अधजले ढेर पाए गए थे।

तीन सदस्यीय समिति में कौन-कौन- सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने दिल्ली हाईकोर्ट के वर्तमान जज जस्टिस यशवंत वर्मा के विरुद्ध आरोपों की जांच करने के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है, जिसमें पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जी.एस. संधावालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस अनु शिवरामन शामिल हैं।

बेंगलुरू में उत्सव के दौरान बड़ा हादसा, भीड़ के ऊपर गिरा 100 फीट ऊंचा रथ; एक की मौत और कई घायल

एसपी बेंगलुरु ग्रामीण ने कहा, बेंगलुरु ग्रामीण के अनेकल में एक उत्सव के दौरान 100 फीट का रथ गिर गया। एक व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरे का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु ग्रामीण के अनेकल में एक उत्सव के दौरान एक दुखद घटना घटी, जब 100 फीट का रथ गिर गया, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

बेंगलुरु ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सीके बाबा ने बताया कि यह घटना शनिवार शाम करीब 6 बजे हुई।

कैसे घटी घटना- जानकारी के मुताबिक बेंगलुरु के अनेकल के पास होसुर में गांव के एक मेले में मद्दुरम्मा देवी जात्रे में देवी प्रतिमा लेकर जा रहा एक 100 फीट का रथ भीड़ के ऊपर गिर गया। बताया जा रहा है कि श्रद्धालु इस रथ को खींच रहे थे, तभी एक जगह जाकर यह 100 फीट ऊंचा रथ लोगों पर गिर गया।

रथ गिरने पर उस पर चढ़े और आस-पास चल रहे लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

केरल के किसान के पास है दुनिया की सबसे छोटी बकरी, महज इतना सा है कद; गिनीज बुक में भी नाम दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के एक किसान के पास दुनिया की सबसे छोटी बकरी है और ये रिकॉर्ड अब गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल किया गया है। गिनीज बुक में इस बकरी को दुनिया की सबसे छोटी जिंदा बकरी के रूप में मान्यता मिली है।

कितना है इस बकरी का साइज- पीटर लेनू इस छोटी बकरी के मालिक हैं। उन्होंने कहा, उन्हें पता था कि उनकी बकरी करुम्बी काफी छोटी है। लेकिन जब आसपास के लोगों ने उन्हें कि वो इसका नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज कराने की कोशिश करें, तब उन्होंने इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। गिनीज बुक के मुताबिक, इस बकरी का जन्म 2021 में हुआ था और वो पूरी तरह से विकसित होने के बाद भी उसकी हाइट सिर्फ 1 फुट 3 इंच है।

बताया जाता है कि ये बकरी कनाडाई पिग्मी प्रजाती की बकरी है, जो अपने छोटे कद और अनुवांशिक बौनेपन से पहचानी जाती है। इन बकरियों में आमतौर पर उनके पैर 21 इंच से ज्यादा नहीं बढ़ते हैं।

गर्भवती है करुम्बी- फिलगाल ये छोटी बकरी गर्भवती है और कुछ ही समय में उसके बच्चे होने वाले हैं। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि उसके बच्चे भी उसी की तरह होंगे और वो भी कोई नया रिकॉर्ड बना सकता है। पीटर लेनू ने बताया कि करुम्बी काफी मिलनसार है और वो तीन अन्य नर बकरे, नौ मादा बकरियों और दस छोटे बच्चों के साथ रहती है।

किसान पीटर ने बताया कि उसके एक रिश्तेदार ने उन्हें ये सुझाव दिया था कि वो इस बकरी का नाम गिनीज बुक में दर्ज कराए।

ऑनलाइन गेमिंग पर सरकार का कड़ा प्रहार, ब्लॉक कर दीं अवैध ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफार्म की 357 वेबसाइट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने विदेशों से अवैध रूप से संचालित आनलाइन मनी गेमिंग प्लेटफार्म की 357 वेबसाइट, यूआरएल को ब्लाक किया गया है और ऐसी ही 700 प्लेटफार्म वर्तमान में जांच के दायरे में हैं। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआइ) ने ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफार्म के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इस अवैध कृत्य में घरेलू और विदेशी दोनों आपरेटर शामिल हैं। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह देखा गया है कि ये प्लेटफार्म टैक्स छुपाने के लिए बिना रजिस्ट्रेशन के अवैध रूप से गेम संचालित कर रहे हैं साथ ही जीएसटी की चोरी भी कर रहे हैं। डीजीजीआई ने आइटी अधिनियम, 2000 की धारा 69 के तहत इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग में विदेशों से (आफशोर) अवैध रूप से संचालित ऑनलाइन मनी गेमिंग प्लेटफार्म की वेबसाइटों को ब्लॉक किया है। जीएसटी कानून के तहत आनलाइन मनी गेमिंग माल की आपूर्ति के रूप में वर्गीकृत है और इस पर 28 प्रतिशत टैक्स लगता है। इस क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं को जीएसटी के तहत रजिस्ट्रेशन करवाना आवश्यक है। हाल ही में कुछ अवैध गेमिंग प्लेटफार्म के खिलाफ एक अभियान में डीजीजीआइ ने आइ4सी और नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन आफ इंडिया (एनपीसीआइ) के साथ मिलकर यूजर से पैसे इक्ट्ठा करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे बैंक खातों को टारगेट कर ब्लॉक किया है।

नौसेना का स्वदेशी फ्रिगेट तवस्या गोवा शिपयार्ड में लॉन्च, अत्याधुनिक हथियार प्रणाली से लैस

नई दिल्ली (एजेंसी)। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) द्वारा निर्मित प्रोजेक्ट 1135.6 श्रेणी दूसरे युद्धपोत (फ्रिगेट) तवस्या को शनिवार को लांच किया गया। इस कार्यक्रम में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, नौसेना कमांडर वाइस एडमिरल संजय जे सिंह और अन्य वरिष्ठ नौसैनिक व सरकारी अधिकारी उपस्थित रहे।

युद्धपोत का शुभारंभ नीता सेठ द्वारा किया गया। तवस्या नाम महाभारत के महान योद्धा भीम की गदा से प्रेरित है, जो भारतीय नौसेना की अटूट शक्ति और बढ़ती ताकत का प्रतीक है।

इस भारतीय व्यंजन की फैन हैं अमेरिकी खुफिया विभाग प्रमुख तुलसी गबार्ड, पीएम मोदी से मिला खास तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दौरे पर आई अमेरिकी खुफिया विभाग की चीफ तुलसी गबार्ड ने भारत-अमेरिका के संबंधों, भगवान कृष्ण की शिक्षाओं के प्रभाव और भारतीय व्यंजनों के साथ-साथ कई विषयों पर खुलकर बातें की हैं। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण द्वारा अर्जुन को दी गई शिक्षाएं उनके लिए शक्ति और मार्गदर्शन का स्रोत रही हैं।

भगवद गीता के उपदेशों का लेती हैं सहारा- आधिकारिक यात्रा पर भारत आई तुलसी गबार्ड ने एएनआई के साथ एक इंटरव्यू में कहा, चाहे दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में युद्ध क्षेत्रों में सेवा करना हो या फिर आज हमारे सामने आने वाली चुनौतियां हो, मैं अपने सबसे अच्छ और बुरे दौर में भगवद गीता में भगवान कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए उपदेशों का सहारा लेती हूं।

बता दें, अमेरिकी कांग्रेस में चुनी गई पहली हिन्दू तुलसी गबार्ड ने हमेशा ही भगवद गीता के साथ अपने गहरे जुड़ाव के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि जब भी वो भारत आती हैं तो उन्हें घर जैसा महसूस होता है और यहां के लोग हमेशा उनका स्वागत करते हैं।

इस भारतीय व्यंजन की फैन हैं तुलसी गबार्ड

तुलसी गबार्ड ने कहा, मुझे भारत बहुत पसंद है। जब मैं यहां आती हूं तो मुझे हमेशा घर जैसा महसूस होता है। यहां के लोग बहुत स्वागतशील और दयालु हैं और यहां का खाना हमेशा स्वादिष्ट होता है।

अपने फेवरेट भारतीय व्यंजन के बारे में बात करते हुए गबार्ड ने बताया कि उन्हें दाल मखनी बेहद पसंद है। उन्होंने कहा, दाल मखनी और ताजा पनीर से बनी कोई भी चीज उन्हें बहुत पसंद है और वो बेहद स्वादिष्ट होती है।

पीएम मोदी ने महाकुंभ का गंगाजल किया भेंट- टैरिफ मुद्दों पर भारत और अमेरिकी के बीच सीधी बातचीत के महत्व पर भी गबार्ड ने जोर दिया। अमेरिकी खुफिया विभाग की चीफ ने पीएम मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी मुलाकात की थी। पीएम मोदी ने उन्हें महाकुंभ से गंगाजल भी भेंट किया। सरकारी बयान में कहा गया कि गबार्ड ने पीएम मोदी को रुद्राक्ष की माला भेंट की थी।

कतर में भारतीय इंजीनियर की गिरफ्तारी, परिवार ने सरकार से मांगी मदद; टेक महिंद्रा ने अपने कर्मचारी के लिए क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईटी दिग्गज टेक महिंद्रा के कतर स्थित कंट्री हेड अमित गुप्ता को इस साल 1 जनवरी को गिरफ्तार कर लिया गया था। वर्तमान में वह जेल में हैं। जानकारी के अनुसार अमित गुप्ता पर डेटा चोरी का आरोप लगाया गया है। इसी मामले की जांच के संबंध में उनको हिरासत में लिया गया है।

दरअसल, अमित गुप्ता कतर में आईटी दिग्गज टेक महिंद्रा के कंट्री हेड हैं। स्थानी सुरक्षा एजेंसियों ने उनके खिलाफ डाटा चोरी का आरोप लगाया है। 1 जनवरी से ही वह जेल में बंद हैं। उनका परिवार उनकी रिहाई के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। वहीं, इस मामले में टेक महिंद्रा का बयान भी सामने आया है। कंपनी ने कहा कि कर्मचारी के परिवार से साथ संपर्क लगातार बनाए हुए हैं।

तीन महीने से जेल में हैं कंट्री हेड- जानकारी दें कि अमित गुप्ता मूल रूप से गुजरात के वडोदरा के रहने वाले हैं। वह आईटी दिग्गज टेक महिंद्रा के कतर कंट्री हेड हैं। जनवरी में स्थानीय अधिकारियों ने उनके ऊपर डाटा चोरी के आरोप में हिरासत में लिया गया है। इसके बाद उनका पूरा परिवार उनकी रिहाई के लिए तमाम प्रयास कर रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कतर में भारतीय दूतावास अमित गुप्ता के परिवार और कतर के अधिकारियों के साथ मिलकर इस पूरी समस्या के निवारण में लगा है।

टेक महिंद्रा ने क्या कहा- बता दें कि इस मामले में टेक महिंद्रा का बयान सामने आया है। टेक महिंद्रा के प्रवक्ता ने एक टीवी चैनल से बात करते हुए बताया कि वह परिवार के साथ निकट संपर्क में हैं। परिवार को कंपनी की ओर से आवश्यक सहायता पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। दोनों देशों के अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से समन्वय कर रहे हैं और इसके साथ उचित प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है। कंपनी ने कहा कर्मचारी की भलाई सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अमित के परिवार ने क्या कहा?

अमित गुप्ता साल 2013 में वडोजरा से कतर की राजधानी दोहा चले गए थे। वहां पर उन्हें इसी साल के पहले दिन यानी एक जनवरी को हिरासत में ले लिया गया था। उनकी मां पुष्पा गुप्ता ने इस संबंध में समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा कि उन्हें हिरासत में लेने के बाद करीब 48 घंटों तक हिरासत में बैठाए गए रखा था।

बाद उनको एक कमरे में शिफ्ट कर दिया गया था। अब उन्हें तीन महीनों से वहीं पर रखा गया है। वहीं, पूछे जाने पर कि हिरासत में लेने की वजह क्या है, इसके जवाब में उन्होंने कहा कि कंपनी में किसी ने कुछ किया होगा, जिस कारण उनको (अमित गुप्ता) को इसलिए गिरफ्तार कर लिया, क्योंकि वे कंपनी के कंट्री हेड हैं।

केवल पांच मिनट कॉल करने की अनुमति- बता दें कि अमित गुप्ता की मां ने एक साक्षात्कार में बताया कि हर बुधवार को उनके पास बेटे का कॉल आता है। यही उनके बेटे से संपर्क स्थापित करने का एकमात्र साधन है।

पूर्व अमेरिकी अटॉर्नी जेसिका एबर अपने घर में मृत मिलीं, ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद दिया था इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व अमेरिकी अटॉर्नी जेसिका एबर अपने घर में मृत पाई गईं। उन्होंने वर्जीनिया के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट में अपनी सेवाएं दी थीं, पुलिस के अनुसार, शनिवार सुबह 9ः18 बजे आपातकालीन कॉल आने के बाद जब अधिकारी उनके घर पहुंचे, तो उन्हें बेहोश पाया गया। बाद में मौके पर ही उनकी मौत की पुष्टि कर दी गई।

जेसिका एबर महज 43 साल की थीं और उन्होंने जनवरी में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद संभालने के एक दिन बाद ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। पुलिस ने अभी तक किसी संदिग्ध साजिश की बात नहीं कही है, लेकिन उनकी मौत की परिस्थितियों की जांच जारी है। वर्जीनिया की कानूनी बिरादरी और उनके सहयोगियों ने उनके निधन पर गहरा दुख जाहिर किया है।

कानूनी महकमे में एबर की अहमियत - वर्तमान अमेरिकी अटॉर्नी एरिक सीबर्ट ने कहा, हम अपनी दोस्त और पूर्व सहयोगी जेसिका एबर के निधन से पूरी तरह टूट चुके हैं। वह एक असाधारण नेता, मेंटर और अभियोजक थीं। उनकी कानूनी दक्षता और पेशेवर व्यवहार एक मिसाल थी।

सीबर्ट ने आगे कहा, हालाँकि यह हमारे लिए बहुत बड़ी क्षति है, हम उनकी विरासत को जीवित रखने की कोशिश करेंगे। जेसिका एक गर्वित वर्जीनियन थीं और उन्हें यह समुदाय बहुत पसंद करता था। हम उनके न्याय की खोज के मिशन को जारी रखेंगे, जैसा कि वह चाहतीं।

बेहतरीन कानूनी करियर और उपलब्धियां- जेसिका एबर को न्याय व्यवस्था में उनके योगदान के लिए कई सम्मान मिले। 2019 में, उन्हें अमेरिकी न्याय विभाग से असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल्स अवॉर्ड फॉर एक्सेप्शनल सर्विस प्रदान किया गया था।

बलूचिस्तान में विद्रोहियों का बड़ा हमला, चार पुलिसकर्मियों की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। शनिवार को बलूचिस्तान के नुश्की जिले में हुए एक हमले में पाकिस्तान पुलिस के चार कर्मियों के मारे जाने की खबर सामने आई है। जिला अधिकारियों के अनुसार, गोलीबारी की घटना ग़रीबाबाद इलाके में हुई, जहां अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने पुलिस की गश्त करने वाली वैन पर गोलीबारी की, जिसमें चार सुरक्षाकर्मी मारे गए। एआरवाई न्यूज ने ये जानकारी दी है।

बताया जा रहा है कि हमलावर मौके से भागने में सफल रहे। सुरक्षा बल घटनास्थल पर पहुंचे और शवों को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफ़राज़ बुगती ने हमले की कड़ी निंदा की और जानमाल के नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त किया।

बलूचिस्तान के सीएम ने जताया दुख- मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की और यह सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाने की कसम खाई कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को कानून का सामना करना पड़ेगा। बुगती ने इस हमले की निंदा एक कायरतापूर्ण कृत्य के रूप में की और दोहराया कि बलूचिस्तान में शांति और विकास प्रक्रिया को बाधित करने के ऐसे प्रयास सफल नहीं होंगे।

अमेरिका में भारतीय मूल के बाप-बेटी की हत्या, स्टोर में गोलीबारी से मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के वर्जीनिया में एक गुजराती शख्स और उसकी बेटी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 56 वर्षीय प्रदीप पटेल की मौके पर ही गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि उनकी 24 वर्षीय बेटी ऊर्मि ने दो दिन बाद अस्पताल में दम तोड़ दिया।

मेहसाणा के रहने वाले थे प्रदीप- पुलिस ने इस घटना के संबंध में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने बाप-बेटी पर हमला क्यों किया था, इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। पीड़ित परिवार गुजरात के मेहसाणा के कनोडा से ताल्लुक रखता है।

इस घटना पर जानकारी देते हुए एक शख्स ने बताया, जैसे ही 20 मार्च को सुबह करीब 5 बजे अपनी दुकान खोली, एक व्यक्ति अंदर घुसा और गोलीबारी शुरू कर दी। प्रदीप और ऊर्मि दोनों को गोलियां लगीं। आरोपी की पहचान जॉर्ज फ्रेजियर डेवोन व्हार्टन के रूप में हुई है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।'

तीन साल पहले हुई थी ऊर्मी की शादी- परिवारवालों ने बताया कि प्रदीप पटेल विजिटर वीजा पर अमेरिका गए थे। प्रदीप के भाई अशोक पटेल ने बताया, परिवार में प्रदीप की पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा है।

हूती पर कहर बनकर टूटा अमेरिका, यमन के हवाई अड्डे पर की एयर स्ट्राइक

हूती विद्रोहियों को मिटाने का ट्रंप ने संकल्प ले लिया है। कुछ दिनों पहले जब अमेरिका की सेना हूती विद्रोहियों पर ताबड़तोड़ हमला कर रही थी तो राष्ट्रपति ट्रंप मंजर को लाइव देख रहे थे।

हूती विद्रोहियों पर अमेरिका ने किए ताबड़तोड़ हमले

अमेरिका ने यमन के होदेइदाह शहर में हवाई अड्डे पर तीन हमले किए हैं। अमेरिकी सेना ने सादा के उत्तरी प्रांत के सहर और किताफ जिलों पर बमबारी की और मारिब के मध्य प्रांत पर पांच हवाई हमले किए। अमेरिकी सेना ने मारिब के माज्जर जिले को निशाना बनाकर पांच हवाई हमले किए। इस हमले में हूती नौसेना बल के कमांडर मंसूर अल-सादी घायल हो गया है।

ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि जब तक हूती विद्रोही अहम समुद्री गलियारे पर आने-जाने वाले मालवाहक पोतों पर अपने हमले बंद नहीं कर देते, तब तक वह 'पूरी ताकत से' हमले जारी रखेंगे।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा था, ''हमारे बहादुर सैनिक अमेरिकी जलमार्गों, वायु और नौसेना संपत्तियों की रक्षा करने, नौवहन की स्वतंत्रता को बहाल करने के लिए आतंकवादियों के ठिकानों, उनके आकाओं और मिसाइल रक्षा तंत्र पर हवाई हमले कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा था,''कोई भी आतंकी ताकत अमेरिकी वाणिज्यिक और नौसैनिक पोतों को दुनिया के जलमार्गों पर स्वतंत्र रूप से आने-जाने से नहीं रोक पाएगी।''

तालिबान पर दया दिखा रहे ट्रंप! अमेरिकी नागरिक की हुई रिहाई तो US ने हक्कानी के ऊपर से हटाया इनाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या ट्रंप शासन में अमेरिका, तालिबान के साथ रिश्ते बेहतर करने में जुटा है? यह सवाल है इसलिए पूछा जा रहा है क्योंकि एक तरफ जहां अफगान तालिबान ने दो सालों से कैद अमेरिकी शख्स को पिछले हफ्ते रिहा कर दिया था।

इसके बाद अमेरिका ने तालिबान के तीन प्रमुख नेताओं सिराजुद्दीन हक्कानी, अब्दुल अजीज हक्कानी, याह्मा हक्कानी पर से कई मिलियन डॉलर इनाम (बाउंटी) हटा दिया है। अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने इस बारे में जानकारी दी।

ढाई साल पहले जॉर्ज ग्लीजमैन को तालिबान ने किया था गिरफ्तार

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखते हुए कहा कि जॉर्ज ग्लीजमैन, जिन्हें ढाई साल से अफगानिस्तान में गलत तरीके से गिरफ्तार करके रखा गया था उन्हें रिहा कर दिया गया है।

ग्लीजमैन को ढाई साल पहले तालिबान ने गिरफ्तार कर लिया था। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप के विशेष बंधक दूत एडम बोहलर, तालिबान अधिकारियों और कतर के द्वारा मध्यस्ता की गई बातचीत के बाद उन्हें रिहा किया।

तालिबान के साथ रिश्ते बेहतर करना चाहता अमेरिका- समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्रालय के अधिकारी जाकिर जलाली के अनुसार, तालिबान द्वारा अमेरिकी कैदी जॉर्ज ग्लेजमैन की रिहाई और इनाम को हटाना यह दर्शाता है कि दोनों पक्ष युद्धकालीन चरण के प्रभावों से आगे बढ़ रहे हैं।

पाकिसतान में मिला दूसरा एमपॉक्स केस, शरीर में घाव के साथ दिखते हैं ऐसे लक्षण; जानें कैसे फैलता है ये वायरस

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने इस साल एमपॉक्स के दूसरे मामले की पुष्टि की। कराची में एक 29 वर्षीय व्यक्ति में एमपॉक्स मिला है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, मालिर जिले के शाह लतीफ शहर का निवासी मरीज वर्तमान में जिन्ना पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सेंटर (जेपीएमसी) में इलाज करा रहा है।

मरीज की पत्नी में भी थे लक्षण- जेपीएमसी के उप निदेशक डॉ याह्या टुनिओ ने कहा कि मरीज दो दिन पहले त्वचा के घावों के साथ अस्पताल पहुंचा था। उन्होंने कहा कि मरीज की हालत स्थिर है और उसे आइसोलेशन वार्ड में रखा जा रहा है। टुनिओ के अनुसार, मरीज की पत्नी, जो हाल ही में सऊदी अरब गई थी, उसे भी इसी तरह के घाव थे।

सूत्रों ने बताया कि मामले की पुष्टि के बाद अधिकारियों ने संपर्क ट्रेसिंग शुरू कर दी है, जबकि हवाई अड्डों और सीमा प्रवेश बिंदुओं पर स्क्रीनिंग के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया है।

सिंध का है ये पहला मामला- सिंध में एमपॉक्स का यह पहला मामला है। अधिकारियों के अनुसार, इस साल का पहला मामला जनवरी में सामने आया था, जब पेशावर में खाड़ी देश से आने वाले एक यात्री में संक्रमण की पुष्टि हुई थी। पिछले साल, एमपॉक्स के आठ मामले सामने आए थे, जबकि सरकार ने 2023 में नौ मामलों की पुष्टि की थी, ये सभी मध्य पूर्व और अन्य देशों से लौटने वाले यात्री थे।

राष्ट्र निर्माण की नई रणनीति, नए संकल्प; क्या क्या बोले सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले?

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा बैठक के अंतिम दिन मीडिया से बातचीत के दौरान सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले जी ने स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान को किया और समाज से उनके बलिदान से प्रेरणा लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि देश की आज़ादी के लिए दिए गए उनके बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता और हर नागरिक को उनके संघर्ष से सीख लेनी चाहिए।

महारानी अब्बक्का को किया याद- होसबोले ने अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में रानी अब्बक्का को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि यह भारत की महान महिला स्वतंत्रता सेनानी थीं, जिन्होंने दक्षिण कन्नड़ (कर्नाटक) के छोटे से राज्य उल्लाल की बहादुरी से रक्षा की और विदेशी ताकतों को चुनौती दी। भारत सरकार ने 2003 में उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया और 2009 में एक गश्ती पोत का नाम उनके नाम पर रखा। उन्होंने राष्ट्र निर्माण के लिए उनके साहस और नेतृत्व से प्रेरणा लेने की अपील की।

संघ के 100 वर्षों का सफर और आगे की योजनाएं- दत्तात्रेय होसबोले ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि इस वर्ष विजयादशमी के दिन संघ 100 वर्ष पूरे कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संघ इस उपलब्धि को केवल जश्न के रूप में नहीं देखता, बल्कि इसे आत्मचिंतन और पुनःसमर्पण का अवसर मानता है। संघ तीन प्रमुख बातों पर केंद्रित रहेगा

1. आत्मविश्लेषण और सुधार।
2. समाज के समर्थन को स्वीकार करना।
3. राष्ट्र सेवा के लिए स्वयं को पुनः समर्पित करना।

क्या बैंकॉक में होगी PM मोदी और मोहम्मद यूनुस की मुलाकात?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की इच्छा जाहिर की। बांग्लादेश ने भारत से दोनों नेताओं के बीच मुलाकात का अनुरोध किया है। यह जानकारी खुद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दी है।

एस जयशंकर ने शनिवार (22 मार्च) को संसदीय समिति की बैठक में बताया कि आगामी क्षेत्रीय समूह BIMSTEC समिट में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बैठक के अनुरोध पर विचार किया जा रहा है।

समिति ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर चिंता जाहिर की- विदेश मामलों की संसदीय सलाहकार समिति की इस साल की पहली बैठक में कई सांसदों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर चिंता जताई और पूछा कि इस संबंध में भारत क्या कदम उठा रहा है।

एस जयशंकर ने सदस्यों को बताया कि ढाका में अंतरिम सरकार ने दावा किया है कि हिंदुओं पर हमले राजनीति से प्रेरित थे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सांसदों को बांग्लादेश, मालदीव, म्यांमार और श्रीलंका के साथ संबंधों की जानकारी दी।

असम में कक्षा 11वीं की परीक्षाएं रद, पेपर लीक की खबर के बाद बोर्ड ने लिए लिया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वोत्तर राज्य असम में राज्य बोर्ड की कक्षा 11वीं की 24 मार्च से 29 मार्च तक होने वाली सभी परीक्षाओं को रद कर दिया गया है। इस बात की जानकारी शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने दी है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य के कई स्थानों से परीक्षा पेपर लीक होने की खबरें सामने आई हैं। इन खबरों का संज्ञान लेते हुए कक्षा 11वीं की 24 मार्च से 29 मार्च तक होने वाली सभी परीक्षाओं को रद करने का फैसला लिया गया है। आने वाले दिनों में अधिकारी नई तारीखों का एलान करेंगे।

शिक्षा मंत्री ने दी जानकारी - सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने कहा कि गणित का पेपर लीक हो गया क्योंकि राज्य भर में तीन सरकारी संस्थानों सहित 18 स्कूलों ने निर्धारित परीक्षा से एक दिन पहले सुरक्षा सील तोड़ दी। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा कि प्रश्नपत्र लीक होने और प्रोटोकॉल के उल्लंघन की खबरों के कारण, एचएस प्रथम वर्ष की परीक्षा 2025 (24-29 मार्च से निर्धारित) के शेष विषयों को रद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इसी तरह से नियमों का उल्लंघन करने वाले तीन अन्य स्कूलों के खिलाफ भी कार्रवाई करेगी।

आरएसएस ने कहा- बांग्लादेश के हिंदू हमारी जिम्मेदारी, मोदी सरकार के प्रयासों से संघ संतुष्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने शनिवार को कहा कि बांग्लादेश के हिंदू भारत की जिम्मेदारी हैं। हम इस जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। हालांकि, शेख हसीना की सरकार के तख्ता पलट के बाद हिंदुओं के खिलाफ हिंसक घटनाओं से निपटने के लिए मोदी सरकार द्वारा किए गए प्रयासों से आरएसएस संतुष्ट है।

भाजपा के साथ टकराव की अटकलें खारिज- बेंगलुरु में आरएसएस की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में पारित प्रस्ताव में मोदी सरकार से बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास जारी रखने को कहा गया है। वहीं, आरएसएस ने भाजपा के साथ टकराव की अटकलों को खारिज कर दिया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ अन्याय

आरएसएस के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने साफ किया कि समाज और राष्ट्र के मुद्दों पर हम मिलकर काम करते हैं। बैठक में पारित प्रस्ताव की जानकारी देते हुए अरुण कुमार ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ अन्याय, प्रताड़ना और हिंसा सिर्फ सत्ता परिवर्तन की वजह से नहीं हुआ है, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है।

प्रस्ताव में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के पीछे बांग्लादेश की सरकार और संस्थाओं के समर्थन को लेकर गहरी चिंता जताई गई है। अरुण कुमार ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू विरोध को भारत विरोध बनाने की कोशिश की जा रही है। बांग्लादेश की स्थिति के लिए पाकिस्तान और अमेरिका के डीप स्टेट की भूमिका को भी रेखांकित किया गया है।

पूरी दुनिया में रहने वाले हिंदुओं को आगे आना होगा

बांग्लादेश में हिंदुओं को गरिमा और शांति के साथ जीवन जीने का हक दिलाने के लिए भारत सरकार के साथ-साथ सभी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और पूरी दुनिया में रहने वाले हिंदुओं को आगे आना होगा।

भ्रष्ट हो चुकी न्यायपालिका, दबाव में..., दिल्ली HC जज मामले को लेकर संजय राउत ने BJP पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास से मिली भारी नकदी को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा के दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं उन्हीं के शासन में हो रही हैं।

जज के घर से मिला 15-20 करोड़ कैश- रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस वर्मा के घर से 15 से 20 करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुई है। राउत ने इसे देश की न्यायपालिका पर गहरा धब्बा बताते हुए कहा कि यह न्याय व्यवस्था के भीतर मौजूद भ्रष्टाचार और दबाव की पोल खोलता है। रविवार को एक प्रेस वार्ता में राउत ने कहा, सीजेआई ने इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई है और दिल्ली पुलिस कमिश्नर द्वारा जस्टिस वर्मा के घर से कैश जलाने का वीडियो भी जारी किया गया है।

यह घटना किसके शासन में हो रही है? प्रधानमंत्री मोदी, जो कहते थे ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा उनके शासन में! संजय राउत, शिवसेना (यूबीटी)

संजय राउत ने दावा किया कि जस्टिस वर्मा के आवास से मिली नकदी किसी एक दिन की कमाई जैसी प्रतीत होती है। उन्होंने कहा, मैं दिल्ली में था जब इस खबर का खुलासा हुआ। यह एक गंभीर मामला है, खासकर जब यह राष्ट्रीय राजधानी की न्यायपालिका से जुड़ा हो।

शिवसेना (यूबीटी) नेता ने इस मुद्दे पर न्यायपालिका की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि न्यायपालिका दबाव में काम कर रही है और इसी कारण सुप्रीम कोर्ट में उनकी पार्टी को न्याय नहीं मिला। उन्होंने कहा, यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट ने 40 बागी विधायकों को सुरक्षा दी, जो असंवैधानिक सरकार का समर्थन कर रहे थे।

बीजेपी नेता नलिन कोहली की प्रतिक्रिया- सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील और बीजेपी नेता नलिन कोहली ने इस घटना पर पारदर्शिता की मांग की।

गर्मी की छुट्टियों से पहले रेलवे ने कसी कमर, इन राज्यों के लिए चलेंगी 1200 स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य और पश्चिम रेलवे 1 अप्रैल से शुरू होने वाली छुट्टियों में नियमित ट्रेनों के अलावा 1200 से अधिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें चलाएगा। पश्चिमी रेलवे ने जहां 930 ट्रेनें चलाने की घोषणा की है, वहीं मध्य रेलवे 356 ट्रेनें चलाएगा।

इन राज्यों के लिए चलेंगी स्पेशल ट्रेन- वर्तमान ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रा की मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, अब तक पश्चिमी रेलवे ने विभिन्न गंतव्यों के लिए 930 ट्रिप वाली 29 जोड़ी ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें अधिसूचित की हैं। इनमें से मुख्य रूप से 376 ट्रिप वाली 16 जोड़ी ट्रेनें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली और राजस्थान के लिए होंगी, जबकि 140 ट्रिप वाली 7 जोड़ी ट्रेनें पूर्वी राज्यों बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल को सेवाएं देंगी।

इसी तरह, 106 ट्रिप वाली दो जोड़ी ट्रेनें तेलंगाना और कर्नाटक राज्यों के लिए चलाई जा रही हैं। उधना (सूरत क्षेत्र) के यात्रियों की सेवा के लिए, 192 ट्रिप वाली छह जोड़ी मूल विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जबकि 348 ट्रिप वाली 14 जोड़ी ट्रेनें उधना या भेस्तान से होकर गुजर रही हैं।

गुजरात के लिए चलेंगी इतनी ट्रेन- इसी तरह, गुजरात के अन्य स्टेशनों जैसे अहमदाबाद, गांधीधाम, वडोदरा, वलसाड, राजकोट, भावनगर टर्मिनस आदि से 16 जोड़ी ट्रेनें चलाई जाती हैं। पश्चिम रेलवे के प्रवक्ता ने कहा, ÷इन विशेष ट्रेनों में लगभग 300 सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे जोड़े गए हैं, जो विशेष रूप से प्रवासी श्रमिकों को उनके गृहनगर तक पहुँचने में लाभकारी साबित होंगे।÷

मध्य रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए मुंबई-नागपुर/कर्माली/तिरुवनंतपुरम के बीच 356 ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियां चलाने का निर्णय लिया है। पुणे-नागपुर के बीच और दौंड-कलबुर्गी के बीच तथा नांदेड़ के लिए भी।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः

उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया: सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दु:ख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण दशमी

संपादकीय

वैश्विक स्तरपर करीब क़रीब हर देश के नागरिकों में यह भाव होता है कि वह अपने देश की सेवा के रूप में सरकारी नौकरी करें...

वैश्विक स्तरपर करीब क़रीब हर देश के नागरिकों में यह भाव होता है कि वह अपने देश की सेवा के रूप में सरकारी नौकरी करें, स्वाभाविक रूप से हम जानते हैं कि व प्रैक्टिकल देखते भी हैं कि एक चपरासी से लेकर बड़े-बड़े अधिकारियों को अपने पद का कितना रुतबा मिलता है वे अपने पद व रुतबे के आगे अपना आचरण, व्यवहार देशसेवा जनता के सेवक इत्यादि अनेक कर्तव्य व जिम्मेदारियां भूल जाते हैं, हालांकि मेरा इशारा सभी पर नहीं बल्कि ऐसे कर्मचारियों पर है जो अपने पद व रुतबे से अपने आप को सरकार का दामाद समझने लगते हैं। वैसे भी सरकारी कर्मचारियों को सरकारी दामाद ही कहा जाता है। मैंने अपने वकालत के करियर में जीवन में अनेकों ऑफिसों में देखा है कि सरकारी अधिकारी पद का रुतबा दिखाते हैं। बात केवल यही तक सीमित नहीं आजकल सोशल मीडिया युग में अपने पद का रुतबा मीडिया पोस्ट में भीरील्स या कोई मैसेज या कमेंट कर अपने पद का रुतबा व पहचान दिखाने में आगे रहते हैं ताकि लोग उनको ध्यान से सुनें या अपने दबाव तंत्र को महत्व दिलाते हैं, शायद इन्हीं खामियों के कारण जम्मू कश्मीर व गुजरात सरकारों ने पहले ही अपने सिविल सेवा आचरण नियम संशोधित कर सख्त कर दिए हैं। अब महाराष्ट्र सरकार ने भी दिनांक 19 मार्च 2025 को विधानसभा सत्र में घोषणा कर दी है कि तीन माह के अंदर महाराष्ट्र सिविल सेवा आचरण नियम 1979 को संशोधित कर ऐसे सख्त बनाए जाएगें, क्योंकि 1979 में सोशल मीडिया नहीं थी इसलिए उस समय के आचरण से यह नियम ठीक लगते थे, परंतु अभी डिजिटल दुनियाँ में इस ऐसे संशोधिन कर सख्त नियम बनाए जाएं, मेरा ऐसा मानना है कि अब समय आ गया है कि हर राज्य ने अपने राज्यों के सिविल सेवा आचरण नियमों को अति सख्त करने की जरूरत है, ताकि हर समय कर्मचारी अधिकारी अपने को सरकारी दामाद समझाने के बजाय जनता का सेवक समझे, हर जगह अपने पद का रुतबा नहीं बल्कि नम्र व नींवाँ होकर जनता का सेवक चा कर समझकर जनता की सेवा करें तो यह पृथ्वी किसी स्वर्ग से काम नहीं होगी। चूँकि महाराष्ट्र सरकार ने तीन माह में संशोधन का प्रण लिया है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, सभी राज्यों को अपने सिविल सेवा आचरण नियमों में तात्कालिक संशोधन करना समय की मांग है। साथियों बात अगर हम महाराष्ट्र में सिविल सेवा आचरण नियम 2025 लागू करने की करें तो, सरकारी पद मिलते ही कुछ लोग देश सेवा कम और कैमरा प्रेम ज़्यादा करने लगते हैं. कभी कुर्सी पर बैठकर स्लो मोशन एंट्री, तो कभी हथियार के साथ डायलॉगबाज़ी, अब ये सब आम बात हो गई है. सैलरी सरकारी है, लेकिन शौक पूरे फुल-टाइम रील स्टार वाले. ऐसे सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों पर महाराष्ट्र सरकार अब सख्त प्रतिबंध लगाने वाली है,इसके लिए सरकार सिविल सेवा आचरण नियम 1979 में संशोधन कर नए नियम लागू करेगी, ताकि सरकारी कर्मचारियों के सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित किया जा सके।महाराष्ट्र के सीएम ने बुधवार, 19 मार्च को विधानसभा में इस बारे में एलान किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सिविल सेवा आचरण नियम 1979 में संशोधन कर नए नियम लागू किए जाएंगे, इससे सरकारी कर्मचारियों के सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित किया जा सकेगा।इस दौरान उन्होंने कहा कि इस संबंध में जल्द ही एक सरकारी निर्णय (जीआर) जारी किया जाएगा। उन्होंने उन अधिकारियों को भी फटकार लगाई जो सरकार विरोधी समूहों में सक्रिय रहते हैं।सरकारी नीतियों के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं। दो सदस्यों ने विधान परिषद में अधिकारियों के सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने का मुद्दा उठाया था।

विश्व क्षय रोग दिवस

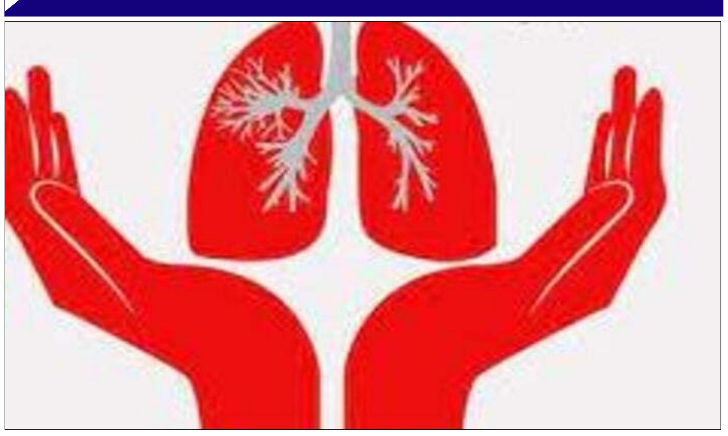

विश्व क्षय रोग दिवस , जिसे हर साल 24 मार्च को मनाया जाता है , का उद्देश्य क्षय रोग (टीबी) की वैश्विक महामारी और इस बीमारी को खत्म करने के प्रयासों के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करना है। 2018 में, 10 मिलियन लोग टीबी से बीमार पड़ गए और 1.5 मिलियन लोग इस बीमारी से मर गए, जिनमें से ज़्यादातर कम और मध्यम आय वाले देशों में थे। यह इसे संक्रामक बीमारी से होने वाली मौत का प्रमुख कारण भी बनाता है।

विश्व टीबी दिवस विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस , विश्व चगास रोग दिवस, विश्व रक्तदाता दिवस , विश्व रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह, विश्व टीकाकरण सप्ताह, विश्व मलेरिया दिवस , विश्व तंबाकू निषेध दिवस , विश्व हेपेटाइटिस दिवस , विश्व रोगी सुरक्षा दिवस और विश्व एड्स दिवस के साथ चिह्नित ग्यारह आधिकारिक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियानों में से एक है ।

पृष्ठभूमि

24 मार्च 1882 के उस दिन की याद दिलाता है जब डॉ. रॉबर्ट कोच ने बर्लिन विश्वविद्यालय के स्वच्छता संस्थान में वैज्ञानिकों के एक छोटे समूह के सामने यह घोषणा करके वैज्ञानिक समुदाय को चकित कर दिया था कि उन्होंने तपेदिक के कारण, टीबी बेसिलस की खोज की है। कोच के सहयोगी, पॉल एर्लिच के अनुसार, इस यादगार सत्र में, कोच एक घोषणा के साथ जनता के सामने आए, जिसने एक घातक मानव संक्रामक रोग की कहानी में एक महत्वपूर्ण मोड़ को चिह्नित किया। स्पष्ट, सरल शब्दों में कोच ने तपेदिक के एटियोलॉजी को समझाने के लिए कई माइक्रोस्कोप स्लाइड और अन्य सबूत पेश किए। बर्लिन में कोच की घोषणा के समय, टीबी यूरोप और अमेरिका में फैल रहा था, जिससे हर सात लोगों में से एक की मौत हो रही थी। कोच की खोज ने तपेदिक के निदान और इलाज की दिशा में रास्ता खोल दिया

इतिहास

1982 में, रॉबर्ट कोच की प्रस्तुति की सौवीं वर्षगांठ पर, इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट ट्यूबरकुलोसिस एंड लंग डिजीज ने प्रस्ताव रखा कि 24 मार्च को आधिकारिक विश्व टीबी दिवस घोषित किया जाए। यह IUATLD और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा टीबी को हराना अभी और हमेशा के लिए थीम के तहत एक साल तक चलने वाले शताब्दी प्रयास का हिस्सा था। विश्व टीबी दिवस को आधिकारिक तौर पर एक दशक से भी अधिक समय बाद तक WHO की विश्व स्वास्थ्य सभा और संयुक्त राष्ट्र द्वारा वार्षिक आयोजन के रूप में मान्यता नहीं दी गई थी।

1995 की शरद ऋतु में, डब्ल्यूएचओ और रॉयल नीदरलैंड ट्यूबरकुलोसिस फाउंडेशन (केएनसीवी) ने नीदरलैंड के हेग में पहली विश्व टीबी दिवस वकालत योजना बैठक की मेजबानी की ; एक ऐसा आयोजन जिसे वे अगले कुछ वर्षों तक सह-प्रायोजित करते रहेंगे। 1996 में, डब्ल्यूएचओ, केएनसीवी, आईयूएटीएलडी और अन्य संबंधित संगठन विश्व टीबी दिवस की गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला का संचालन करने के लिए शामिल हुए।

विश्व टीबी दिवस 1997 के लिए, डब्ल्यूएचओ ने बर्लिन में एक समाचार सम्मेलन आयोजित किया, जिसके दौरान डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक हिरोशी नाकाजिमा ने घोषणा की कि डीओटीएस इस दशक की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सफलता है, जिसके अनुसार हम कितने लोगों की जान बचा पाएंगे।

डब्ल्यूएचओ के वैश्विक टीबी कार्यक्रम निदेशक, डॉ. अराता कोची ने वादा किया कि, आज वैश्विक टीबी महामारी की स्थिति बदलने वाली है, क्योंकि हमने एक सफलता हासिल की है।

यह स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणालियों की सफलता है जो न केवल अमीर देशों में, बल्कि विकासशील दुनिया के सभी हिस्सों में टीबी को नियंत्रित करना संभव बनाती है, जहां अब सभी टीबी मामलों में से 95 प्रतिशत मौजूद हैं।

1998 तक, लगभग 200 संगठनों ने विश्व टीबी दिवस पर सार्वजनिक आउटरीच गतिविधियाँ आयोजित कीं। लंदन में विश्व टीबी दिवस 1998 के अपने समाचार सम्मेलन के दौरान, डब्ल्यूएचओ ने पहली बार दुनिया के सबसे ज़्यादा टीबी बोझ वाले शीर्ष बाईस देशों की पहचान की। अगले वर्ष, 18 देशों के 60 से अधिक प्रमुख टीबी अधिवक्ताओं ने विश्व टीबी दिवस 1999 के लिए तीन दिवसीय डब्ल्यूएचओ/केएनसीवी योजना बैठक में भाग लिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने भारत के हैदराबाद में महावीर अस्पताल में मरीजों को डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुशंसित डायरेक्टली ऑब्जर्व्ड थेरेपी, शॉर्ट-कोर्स (डीओटीएस) उपचार देकर विश्व टीबी दिवस 2000 को चिह्नित किया । क्लिंटन के अनुसार, ये मानवीय त्रासदी, आर्थिक आपदाएँ हैं, और आपके लिए संकट से कहीं अधिक, ये दुनिया के लिए संकट हैं। बीमारी का प्रसार एक वैश्विक समस्या है जिसके लिए ... कोई भी देश अछूता नहीं है।

कनाडा में, स्वास्थ्य निर्धारकों के लिए राष्टीय सहयोग केंद्र ने विश्व टीबी दिवस 2014 पर नोट किया कि राष्टीय स्तर पर रिपोर्ट किए गए टीबी के 64त्न मामले विदेश में जन्मे व्यक्तियों में और 23त्न आदिवासी लोगों में थे, जिससे टीबी को स्वास्थ्य समानता के बारे में चिंता के प्रमुख क्षेत्र के रूप में उजागर किया गया ।

आज स्टॉप टीबी पार्टनरशिप , टीबी से लड़ने वाले संगठनों और देशों का एक नेटवर्क (आईयूएटीएलडी इसका सदस्य है और डब्ल्यूएचओ जिनेवा में स्टॉप टीबी पार्टनरशिप सचिवालय रखता है), इस बीमारी के दायरे और इसे रोकने और ठीक करने के तरीकों पर प्रकाश डालने के लिए दिवस का आयोजन करता है।

वर्ष के अनुसार थीम

प्रत्येक विश्व टीबी दिवस एक अलग विषय पर चर्चा करता है। वार्षिक विषयों की सूची निम्नलिखित है-

1997- DOTS का अधिक व्यापक रूप से उपयोग करें!

1998- डॉट्स की सफलता की कहानियाँ

1999- टीबी रोकें, डॉट्स का प्रयोग करें

2000- टीबी को रोकने के लिए नई साझेदारियां बनाना

2001- डॉट्स सभी के लिए टीबी का इलाज

2002- टीबी रोको, गरीबी से लड़ो

2003- डॉट्स ने मुझे ठीक कर दिया - यह आपको भी ठीक कर देगा!

2004- हर सांस महत्वपूर्ण है - अब टीबी रोकें!

2005- फ्रंटलाइन टीबी देखभाल प्रदाता - टीबी के खिलाफ लड़ाई में नायक

2006- जीवन के लिए कार्य ङ्क टीबी मुक्त विश्व की ओर

2007- टीबी कहीं भी, टीबी हर जगह है

2008-2009- मैं टीबी रोक रहा हूँ

2010- कार्रवाई में तेजी लाने के लिए नवाचार

2011- उन्मूलन की दिशा में लड़ाई का रूपांतरण

2012- टीबी मुक्त विश्व का आह्वान

2013- मेरे जीवनकाल में टीबी को रोकना

2014- तीन मिलियन तक पहुंचें- सभी के लिए टीबी परीक्षण , उपचार और इलाज

2015- टीबी को ख़त्म करने के लिए कमर कस लें

2016- टीबी को ख़त्म करने के लिए एकजुट हों

2017- टीबी को ख़त्म करने के लिए एकजुट हों

2018- चाहिए- टीबी मुक्त विश्व के लिए नेतृत्वकर्ता

2019- अब समय आ गया है

2020- टीबी को ख़त्म करने का समय आ गया है!

2021- समय बीत रहा है

2022- टीबी को खत्म करने के लिए निवेश करें। जीवन बचाएँ

2023-2024- हाँ! हम टीबी को ख़त्म कर सकते हैं!

2008 - 2009- मैं टीबी रोक रहा हूँ

2008 में शुरू किए गए दो-वर्षीय विश्व टीबी दिवस अभियान मैं टीबी रोक रहा हूं ने इस संदेश पर प्रकाश डाला कि यह अभियान दुनिया भर के लोगों का है जो टीबी को रोकने के लिए अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

2010- कार्रवाई में तेजी लाने के लिए नवाचार

विश्व टीबी दिवस 2010 ने उन लोगों और साझेदारों को मान्यता दी जिन्होंने टीबी को रोकने के लिए विभिन्न सेटिंग्स में कई तरह के नवाचार पेश किए थे।

विश्व टीबी दिवस 2010 के अवसर पर, रेड क्रॉस की अंतर्राष्टीय समिति ने घोषणा की कि दुनिया भर में तपेदिक के प्रसार को रोकने के प्रयास तब तक अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएंगे जब तक कि प्रभावित देशों के अधिकारी जेलों के अंदर घातक बीमारी को पनपने से रोकने के लिए अपने प्रयासों में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं करते । भीड़भाड़ और खराब पोषण के परिणामस्वरूप, कई जेलों में टीबी की दर आम लोगों की तुलना में 10 से 40 गुना अधिक है।

ICRC एक दशक से भी अधिक समय से काकेशस क्षेत्र, मध्य एशिया, लैटिन अमेरिका, एशिया प्रशांत और अफ्रीका की जेलों में टीबी से लड़ रहा है, या तो सीधे या स्थानीय कार्यक्रमों का समर्थन करके।

कंपनियों के IPO पर इस हफ्ते दांव लगाने का मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में इस हफ्ते कई कंपनियों के आईपीओ पर दांव लगाने के लिए मौका रहेगा। इनमें से कुछ कंपनियों के आईपीओ पहले से ही ओपन हैं। तो वहीं, कुछ कंपनियों के आईपीओ अभी खुलने वाले हैं।

1- Grand Continent Hotels IPO- कंपनी के आईपीओ का साइज 74.46 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए जरिए 62.60 लाख शेयर और 3.29 लाख शेयर ऑफर फार सेल के तहत जारी करेगी। कंपनी का आईपीओ 20 मार्च को खुला था। कंपनी का आईपीओ 24 मार्च तक खुला रहेगा। बता दें, इस आईपीओ का प्राइस बैंड 107 रुपये से 113 रुपये प्रति शेयर है। इस आईपीओ को 45 प्रतिशत सब्सक्राइब किया गया है। कंपनी का आईपीओ रिटेल कैटगरी में 00.44 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। वहीं, क्यूआईबी कैटगरी में 0.71 गुना और एनआईआई कैटगरी में 0.14 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

2- Rapid Fleet NSE SME- कंपनी के आईपीओ का साइज 183 रुपये से 192 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ के लिए 600 शेयरों का एक लॉट बनाया गया है। इसे पहले दिन 0.07 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। बता दें, कंपनी का आईपीओ 21 मार्च को खुल गया था। आईपीओ 25 मार्च तक खुला रहेगा।

3- Active Infrastructures IPO- कंपनी का आईपीओ 21 मार्च को खुला था। वहीं, आईपीओ 25 मार्च तक खुला रहेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए 178 रुपये से 181 रुपये प्राइस बैंड तय किया है। बता दें, पहले दिन आईपीओ को 0.20 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है।

4- Desco Infratech IPO- कंपनी का आईपीओ 24 मार्च को खुलेगा। आईपीओ बुधवार यानी 26 मार्च तक खुला रहेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए 147 रुपये से 150 रुपये प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। निवेशकों के नजरिए से अच्छी बात यह है कि कंपनी का आईपीओ ग्रे मार्केट में 20 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रही है।

विदेशी निवेशकों ने खरीदे हैं 90 लाख शेयर, 71 पैसे का है शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। माइक्रोकैप कंपनी के शेयर शरणम इंफ्राप्रोजेक्ट एंड ट्रेडिंग के शेयर लगातार फोकस में हैं और कल सोमवार को भी निवेशकों की इस पर पैनी नजर रहेगी। यह शेयर- शरणम इंफ्राप्रोजेक्ट एंड ट्रेडिंग का है। शरणम इंफ्राप्रोजेक्ट एंड ट्रेडिंग के शेयर 0.71 रुपये पर बंद हुए थे। दरअसल, शरणम इंफ्राप्रोजेक्ट एंड ट्रेडिंग ने जैविक खेती में 24.71 करोड़ रुपये का निवेश करके एक स्ट्रैटेजिक फैसला लिया है। बता दें कि पिछले महीने मॉरीशस स्थित विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) ने बल्क डील के जरिए माइक्रो कैप फर्म के 90 लाख शेयर खरीदे थे। कंपनी के शेयरों का 52 वीक हाई 1.12 रुपये और 52 वीक लो प्राइस 0.43 रुपये है। इसका मार्केट कैप 42.18 करोड़ रुपये है।

कंपनी की योजना- शरणम इंफ्राप्रोजेक्ट एंड ट्रेडिंग ने जैविक खेती में 24.71 करोड़ रुपये का निवेश का ऐलान किया है। अपने विविध परिचालन के लिए जानी जाने वाली कंपनी ने एक सफल राइट्स इश्यू के जरिए 48 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसमें प्रमुख हिस्सा अब जैविक खेती कारोबार को आवंटित किया गया है। यह विस्तार SIPTL के बिजनेस मॉडल में एक बड़ा बदलाव दर्शाता है, जो इसे तेजी से बढ़ते जैविक खाद्य बाजार के साथ जोड़ता है, जिसके 2030 तक 20 प्रतिशत ष्ट्रत्रक्रसे बढ़ने का अनुमान है।

शेयर बाजार में तेजी रहेगी बरकरार या फिर मार्केट लेगा करवट? जानें एक्सपर्ट्स की राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक रुझान, शुल्क से जुड़े घटनाक्रम और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां इस सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार की दिशा तय करेंगी। एक्सपर्ट्स ने यह राय जताई है। पिछले सप्ताह बाजार में जोरदार उछाल आया और बेंचमार्क सूचकांक चार प्रतिशत से अधिक चढ़ गए। एक एक्सपर्ट ने कहा कि निवेशकों की धारणा में सुधार, विदेशी पूंजी प्रवाह और सकारात्मक वैश्विक घटनाक्रमों से बाजार में यह तेजी आई।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के रिसर्च हेड (संपदा प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा, हमें उम्मीद है कि आकर्षक मूल्यांकन और आर्थिक पुनरुद्धार के संकेतों के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारतीय बाजार में लौटने के कारण यह तेजी जारी रहेगी। एक एक्सपर्ट ने कहा कि निवेशकों की निगाह डॉलर के मुकाबले रुपये के रुख और वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट कच्चे तेल के दाम पर भी रहेगी।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट-रिसर्च अजित मिश्रा ने कहा, घरेलू मोर्चे पर कोई प्रमुख आर्थिक घटनाक्रम नहीं होने की वजह से सभी का ध्यान मार्च के डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान और एफआईआई की गतिविधियों पर रहेगा। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी बाजारों पर सभी की निगाह रहेगी। शुल्क से संबंधित घटनाक्रम और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़े निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगे। उन्होंने कहा, ''हालांकि, तेज गिरावट के बाद अमेरिकी बाजारों में अस्थायी राहत देखने को मिली है, लेकिन मिले-जुले संकेतों से आने वाले सत्रों में संभावित रूप से कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।''

पिछले सप्ताह, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 3,076.6 अंक या 4.16 प्रतिशत चढ़ गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 953.2 अंक या 4.25 प्रतिशत के लाभ में रहा।

तूफानी रफ्तार से बढ़ रहे ये 7 पावर शेयर, 3100% तक चढ़ गया भाव, कीमत 50 से भी कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में अलग-अलग सेक्टर के कंपनी लिस्टेड हैं। आज हम आपको पावर कंपनी के शेयरों की चर्चा करेंगे। दरअसल, पिछले कुछ कारोबारी दिनों में पावर सेक्टर के शेयर में जबरदस्त तेजी देखी जा रही है। अधिक पावर शेयरों का लंबी अवधि का रिटर्न भी चौंकाने वाला है। हम आपके लिए ऐसे 7 पावर शेयर लेकर आए हैं, जिनका रिटर्न काफी दमदार रहा है।

रिलायंस पावर- अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयर बीते शुक्रवार को 37.87 रुपये पर बंद हुए थे। पांच साल में यह शेयर 3100% चढ़ गया। इस दौरान यह शेयर 1.15 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गया।

जेपी पावर - जेपी पावर के शेयर बीते शुक्रवार को 14.98 रुपये पर बंद हुए थे। पांच साल में यह शेयर 2900% चढ़ गया। इस दौरान यह शेयर 50 पैसे से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गया।

रतनइंडिया पावर- रतनइंडिया पावर के शेयर बीते शुक्रवार को 10.31 रुपये पर बंद हुए थे। पांच साल में यह शेयर 670% चढ़ गया। इस दौरान यह शेयर 1.35 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गया।

7 के शेयर ने चौंकाया, 1 लाख को बना दिया 2.33 करोड़, अब डिविडेंड भी दे रही कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में निवेश करना जितना आसान लगता है, उससे कहीं अधिक यह चुनौतीपूर्ण भी है। अधिक मुनाफा हासिल करने के लिए गहन रिसर्च और धैर्य की जरूरत होती है। निवेशक लगातार मल्टीबैगर स्टॉक की तलाश में रहते हैं - ऐसे शेयर जिनमें काफी मुनाफा कमाने की संभावना हो। आज हम आपको एक ऐसे ही मल्टीबैगर स्टॉक- बॉम्बे बुमराह ट्रेडिंग कॉरपोरेशन के बारे में बता रहे हैं। पेनी स्टॉक बॉम्बे बुमराह ट्रेडिंग कॉरपोरेशन की कीमत साल 2003 में 7.60 थी। अब ह्स्थ्र पर यह शेयर 1,772 प्रति शेयर पर आ गया। इसका मतलब है कि पिछले 22 सालों में इस शेयर ने 23,218 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। यानी 22 साल पहले इस स्टॉक में 1 लाख रुपए का निवेश किया जाता और समय के साथ उसे रखा जाता तो यह राशि बढ़कर 2.33 करोड़ रुपए हो जाती।

क्या है डिटेल- बॉम्बे बुमराह ट्रेडिंग के शेयर की कीमत शुक्रवार, 23 मार्च को लगभग 2 प्रतिशत बढ़कर ह्स्थ्र पर 1,772 पर बंद हुई थी। इस शेयर ने अपने लंबी अवधि निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इस दौरान इसमें कई गुना तेजी देखी है। यह पिछले पांच सालों में 151.66 प्रतिशत तक बढ़ गई है। पिछले एक साल में भी शेयर ने 12.67 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ अच्छा परफॉर्मेंस किया है। हालांकि, शेयर अल्पकालिक निवेशकों को प्रभावित करने में विफल रहा है। पिछले छह महीनों में शेयर में 31.88 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। हालांकि, बाजार के दबाव में रहने के कारण एक महीने से अधिक समय में इसमें 2.29 प्रतिशत की गिरावट आई है। साल-दर-साल आधार पर, स्टॉक 2,250.75 से वर्तमान प्राइस से 21.26 प्रतिशत गिर चुका है।

बॉम्बे बुमरा ट्रेडिंग डिविडेंड- बॉम्बे बुमरा ट्रेडिंग कॉरपोरेशन के निदेशक मंडल ने 21 मार्च को अपनी बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 2 अंकित मूल्य वाले प्रति इक्विटी शेयर 4 के दूसरे अंतरिम डिविडेंड को मंजूरी दी। कंपनी ने शुक्रवार को एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, ÷यह आपको सूचित किया जाता है कि बॉम्बे बुमरा ट्रेडिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड के निदेशक मंडल ने आज यानी 21 मार्च 2025 को आयोजित अपनी बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 200त्न यानी 4 रुपये प्रति इक्विटी शेयर फेस वैल्यू के दूसरे अंतरिम डिविडेंड की घोषणा की।

टाटा के इस शेयर से विजय केडिया को एक ही दिन में 20 करोड़ से अधिक का मुनाफा, रॉकेट बना है भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेजस नेटवर्क्स लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को 18त्न तक चढ़ गए थे। इसी के साथ कारोबार के दौरान 835 रुपये के अपने इंट्राडे हाई पर पहुंच गए थे। शेयर ने अप्रैल 2024 के बाद से सबसे ज्यादा इंट्राडे बढ़त दर्ज की। साप्ताहिक आधार पर, शेयर की कीमत ने 24 फीसदी का रिटर्न दिया है। इस बीच शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक विजय केडिया सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड के पास कंपनी में 23,00,000 शेयर या 1.31 प्रतिशत हिस्सेदारी है। शुक्रवार के कारोबारी सेशन में शेयर में 89.40 रुपये प्रति शेयर की बढ़ोतरी हुई, इसलिए उनके पोर्टफोलियो में 20,56,20,000 रुपये (89.40 रुपये प्रति शेयर × 23,00,000 शेयर) की बढ़ोतरी हुई।

तेजस नेटवर्क्स को दिसंबर तिमाही में 165.67 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। यह एक साल पहले इसी तिमाही में 44.87 करोड़ रुपये के शुद्ध घाटे से उलट है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

नींद का झोंका आने से पलटी बस, तीन यात्रियों की मौत

जबलपुर। जबलपुर-नागपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर रविवार की सुबह एक यात्री बस पलट गई। बस में सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 यात्री घायल हो गए हैं। दुर्घटना बरगी थाना क्षेत्र अंतर्गत रमनपुर घाटी की है।

पुलिस के मुताबिक यात्री बस उत्तर प्रदेश के अयोध्या से महाराष्ट्र के नागपुर जा रही थी। जबलपुर-बरगी के मध्य बस के चालक को सुबह लगभग 4 बजे नींद का झोंका आ गया, जिसकी वजह से बस अनियंत्रित होकर लहराते हुए सड़क के किनारे पलट गई।इन तीन की हुई मौत

इस घटना में हैदराबाद निवासी मालम्मा (45), नागपुर निवासी शुभम मेश्राम (28) और अमोल खोड़े (42) की मौत हो गई। बस में 36 यात्री सवार थे। सुबह दुर्घटना के समय अधिकांश यात्री गहरी नींद में थे।

यात्रियों में मची चीख-पुकार

बस पलटी यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। यात्री एक-दूसरे के ऊपर गिर गए, जिससे बड़ी संख्या में घायल हुए थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल यात्रियों को बस से बाहर निकाला। दो की मौके पर मौत हो चुकी थी। गंभीर रूप से घायल एक महिला को लखनौदान के अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

घायल 25 यात्रियों को किया भर्ती

घायल 25 यात्रियों को भी भी लखनादौन के अस्पताल में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांच के बाद गंभीर चोट वाले यात्रियों को मेडिकल कालेज में रेफर कर दिया गया।

वीसी की नियुक्ति पर एमपी हाईकोर्ट ने सरकार और पीएससी को जारी किया नोटिस

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक जैन की एकलपीठ ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजेश वर्मा की नियुक्ति को चुनौती के मामले में जवाब-तलब कर लिया है। इस सिलसिले में राज्य शासन, मप्र लोक सेवा आयोग, उच्च शिक्षा विभाग और रादुवि के कुलगुरु प्रो. वर्मा को नोटिस जारी किए गए हैं।

याचिका में कुलगुरु के पद के साथ-साथ प्रोफेसर के रूप में मूल नियुक्ति पर भी सवाल खड़ा किया गया है। कोर्ट ने मामले की प्रारंभिक सुनवाई में टिप्पणी करते हुए कहा कि इस मामले में याचिकाकर्ता ने विशुद्ध रूप से कानूनी मुद्दा उठाया है।नियम विरुद्ध पद पर नियुक्ति का आरोप

दरअसल, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन जबलपुर के जिला अध्यक्ष सचिन रजक और अभिषेक तिवारी ने याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि प्रो. वर्मा की नियम विरुद्ध तरीके से प्रोफेसर के पद नियुक्ति हुई थी। यूजीसी गाइडलाइन के अनुसार प्राफेसर के पद पर नियुक्ति के लिए पीएचडी डिग्री मिलने के बाद 10 वर्ष के अध्यापन का अनुभव आवश्यक है।

नवंबर 2008 में दी गई थी पीएचडी-याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता उत्कर्ष अग्रवाल ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि प्रो. वर्मा को पीएचडी 25 नवंबर, 2008 को प्रदान की गई थी। इसके बाद 19 जनवरी, 2009 को एमपीपीएससी ने प्राध्यापक पद पर नियुक्ति का विज्ञापन जारी किया था। इस पद के लिए पीएचडी डिग्री मिलने के बाद 10 वर्ष पढ़ाने का अनुभव जरूरी था।

आवेदन करने वालों के पास यह अनुभव विज्ञापन की अंतिम तारीख, यानी 20 फरवरी, 2009 तक होनी चाहिए थी। कुलगुरु की प्रथम नियुक्ति जो कि प्रोफेसर के पद पर हुई है, वह नियम के विरुद्ध है।

10 साल टीचिंग का अनुभव नहीं हैपूर्व में संगीता बारूकर के केस में एमपीपीएससी ने शपथ पत्र में कहा था कि प्रोफेसर में नियुक्ति के लिए पीएचडी के बाद कम से कम 10 वर्ष टीचिंग का अनुभव होना चाहिए, जो कि डॉ. राजेश वर्मा के केस में नहीं है। जब मूल नियुक्ति नियम विरुद्ध है तो कुलगुरु के पद पर नियुक्ति वैधानिक कैसे मानी जा सकती है।

महाकोशल व विंध्य में बेमौसम बारिश बनी आफत! गेहूं की फसल बिछी, बिजली गिरने से महिला की मौत

जबलपुर। महाकोशल और विंध्य के जिलों में चक्रवाती असर से शनिवार को भी कटनी, उमरिया व सीधी में तेज वर्षा के साथ ओले गिरे। तेज हवा चलने से गेहूं की खड़ी फसल खेतों में आड़ी होने से किसानों के सामने संकट खड़ा हो गया है। शहडोल जिले के तितरा गांव में कुनुक नदी के किनारे खेतों की तकवारी करने के लिए झोपड़ी में बैठी 55 वर्षीय रमसखिया केवट की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई।

उधर, सीधी जिले में कुसमी के ग्राम कोडार निवासी राजकुमार अगरिया का मकान गिर गया। इसी गांव में रामजी साहू के घर पर बड़ा पेड़ गिरने से नुकसान हुआ। रात में परिजन घर के अंदर सो रहे थे। प्रशासन ने नुकसान का आकलन करने के लिए राजस्व अमले को खेतों में जाने के निर्देश दिए हैं।

बता दें कि अंचल के जिलों में गेहूं की फसल लगभग पक चुकी है और अगले अप्रैल तक कटना भी शुरू हो जाती है। बारिश होने से गेहूं, चने की गुणवत्ता पर संकट आ गया है।किसानों का कहना है कि गेहूं की दाने बेरंग हो जाएंगे और उसकी चमक भी खो जाएगी।

जावरा में प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे का विरोध तेज, पैदल यात्रा से पहले कांग्रेस नेता गिरफ्तार

रतलाम। उज्जैन से जावरा तक प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे (फोरलेन) के निर्माण के खिलाफ दुकानदारों और किसानों का आंदोलन दिन-ब-दिन उग्र होता जा रहा है। जन संघर्ष समिति के बैनर तले पिछले तीन महीनों से चल रहे इस आंदोलन ने अब नया मोड़ ले लिया है।

शनिवार को जावरा से उज्जैन तक पैदल यात्रा निकालने की कोशिश के दौरान 29 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया था, जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया। वहीं, रविवार को यात्रा फिर से शुरू करने की योजना बनाते ही जिला पंचायत सदस्य व कांग्रेस नेता डीपी धाकड़ और राजेश भरावा को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। यह हाईवे मध्य प्रदेश के जावरा-उज्जैन क्षेत्र में महू-नीमच हाईवे से सटे सात किलोमीटर के हिस्से में बनाया जा रहा है, जिसका स्थानीय लोग जमकर विरोध कर रहे हैं।

आंदोलन की शुरुआत और मांगें

जन संघर्ष समिति के नेतृत्व में यह आंदोलन 12 फरवरी 2025 से शुरू हुआ, जब दुकानदारों और किसानों ने जावरा के बायपास चौराहे पर धरना शुरू किया।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि प्रस्तावित हाईवे जावरा शहर के सात किलोमीटर के सघन आबादी और रोजगार वाले क्षेत्र से होकर गुजरेगा। उनकी मुख्य आपत्ति यह है कि सड़क और ब्रिज जमीन से 24 फीट ऊंचे बनाए जाएंगे, जिससे क्षेत्र में सामाजिक और आर्थिक नुकसान होगा।

उनका कहना है, ÷हम विकास के लिए जमीन देने के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन ऊंचे ब्रिज और फोरलेन इंटरचेंज से हमारा रोजगार और आवागमन प्रभावित होगा।÷ वे मांग कर रहे हैं कि जमीन के स्तर पर फोरलेन बनाया जाए और चौराहों पर रोटरी का निर्माण हो।

पैदल यात्रा और पुलिस की कार्रवाई

अपनी मांगों को लेकर जावरा से उज्जैन तक पैदल यात्रा का आयोजन किया गया था। शनिवार को यात्रा शुरू होते ही पुलिस ने भारी बल के साथ इसे रोक दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारी असलम मेव ने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप कर उसे रोक लिया और पेट्रोल की केन छीन ली।

इसके बाद 29 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया, जिन्हें दोपहर में रिहा कर दिया गया। लेकिन रविवार सुबह, जब प्रदर्शनकारी उज्जैन कमिश्नर को ज्ञापन देने के लिए फिर से यात्रा की तैयारी कर रहे थे, पुलिस ने सक्रियता दिखाई। कांग्रेस नेता डीपी धाकड़ और राजेश भरावा को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया। दोनों का जिला अस्पताल में मेडिकल कराने के बाद सक्रिल जेल भेज दिया गया।

नेताओं का बयान-अंत तक लड़ेंगे

जेल ले जाए जाते समय राजेश भरावा ने कहा, ÷हम उज्जैन कमिश्नर को यह बताने जा रहे थे कि ग्रीन फील्ड हाईवे के निर्माण से किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। इसके बावजूद हमें दबाया जा रहा है, लेकिन हम अंत तक लड़ेंगे।

डीपी धाकड़ ने नारेबाजी करते हुए कहा, ÷हर ब्लॉक में किसान पहले से आंदोलनरत हैं। यह हक की लड़ाई है।÷ इस बीच, खाचरौद-नागदा के पूर्व विधायक दिलीप गुर्जर और अन्य कांग्रेस नेता बड़ावदा थाने पहुंचे और एएसपी राकेश खाखा से मामले पर चर्चा की।

समय पर आए, इसलिए कॉपी चेक करने वालों की ऑनलाइन होगी अटेंडेंस

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिम) ने 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन में इस बार काफी सख्ती बरती है। कई मूल्यांकनकर्ता समय से समन्वयक केंद्र नहीं पहुंच रहे हैं। निर्धारित नियम के अनुसार, प्रत्येक शिक्षक को हर दिन कम से कम 30 उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना है, लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है।

इस कारण मंडल ने इस बार मूल्यांकनकर्ताओं की उपस्थिति को आनलाइन दर्ज करने की व्यवस्था की है। इसके लिए एक सॉफ्टवेयर तैयार किया है, जो सभी समन्वयक केंद्रों के पास होगा। सबसे पहले शिक्षकों को ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करानी होगी। इसके लिए मंडल ने सभी समन्वयक केंद्रों को निर्देश जारी किए हैं कि एक कंप्यूटर सिस्टम और एक ऑपरेटर की व्यवस्था की जाए।24 मार्च से सभी मूल्यांकनकर्ताओं को उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज करनी होगी। बता दें कि 10वीं व 12वीं के 17 लाख विद्यार्थियों की 90 लाख उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए करीब 40 हजार शिक्षकों को लगाया गया है।जांची गई उत्तरपुस्तिकाओं की संख्या भी ऑनलाइन दर्ज करनी होगी

मंडल ने निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन केंद्र पर उपस्थित होने पर सर्वप्रथम मूल्यांकन केंद्र पर निर्धारित स्थान पर उक्त लिंक के माध्यम से अपने आईडी सिस्टम में दर्ज कराकर अपने आने का समय पंजीकृत कराएंगे।

इसी तरह निकलने से पहले प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता फिर आईडी से निकलने का समय ऑनलाइन दर्ज कराएंगे। साथ ही एक दिन में कितनी उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया। इसकी संख्या भी दर्ज करानी होगी। यह भी निर्देशित किया है कि अगर किसी मूल्यांकनकर्ता ने ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं कराई तो उसे उस दिन अनुपस्थित मान्य किया जाएगा।

मामूली कहासुनी में सिख युवक पर हमला, बदमाशों ने पगड़ी निकालकर मारे पत्थर

इंदौर। मामूली कहासुनी में युवकों ने सिख युवक (कारखाना संचालक) पर हमला कर दिया।आरोपियों ने उसकी पगड़ी निकाल कर पत्थर से सिर में हमला किया। पुलिस ने तीन के खिलाफ केस दर्ज किया है।दूसरे पक्ष ने भी कारखाना संचालक व उसके भाई पर मारपीट का आरोप लगाया है।

एरोड्रम पुलिस के मुताबिक घटना धार रोड़ (बिजासन टेकरी के सामने) की है। लीड्स एन्क्लेव (छोटा बांगड़दा) निवासी गुरुशरण सिंह मल्होत्रा ने आरोपी हिमांशू तिवारी निवासी पल्हर नगर, आदर्श और सोहन के खिलाफ केस दर्ज करवाया है।

एक-दूसरे पर लगाए मारपीट के आरोप- गुरुशरण ने पुलिस को बताया कि उसकी नावदापंथ में आयरन ड्रम शीट की फैक्ट्री है। गुरुवार रात करीब साढ़े दस बजे भाई तेजिंदर सिंह के साथ लौट रहा था। बिजासन मंदिर के सामने आरोपियों ने गाली का आरोप लगाकर विवाद किया। उन पर पत्थर से हमला कर दिया।

उधर, हिमांशु ने गुरुशरण और तेजिंदर के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। आरोपी तेज आवाज में गाना बजाकर लहराते हुए गाड़ी चला रहे थे। मैंने समझाया, तो मारपीट कर दी।

युवती से बात करने के विवाद में भिड़े- आजाद नगर में युवती से बातचीत करने की बात पर दो पक्षों में झगड़ा हो गया। दोनों ने एक दूसरे के साथ मारपीट की। पुलिस ने छह के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक घटना विराट नगर की है। अनिकेत उर्फ अमन निवासी अभिषेक नगर पालदा ने तरुण शर्मा, पवन शर्मा और आदर्श कैथवास के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

अमन ने पुलिस को बताया कि आदर्श की बहन से बातचीत को लेकर आरोपियों ने विवाद किया। उधर लक्की ने आरोपी अनिकेत, हर्ष और धीरज के खिलाफ रिपोर्ट लिखवाई है।

ईआरओ, डीईओ, सीईओ स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ जमीनी स्तर की बैठकें जारी

बैठकों में राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी

इंदौर। देश भर में 4,123 ईआरओ अपने-अपने विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों (एसी) में मतदान केंद्र स्तर पर लंबित किसी भी मुद्दे का समाधान करने के लिए सर्वदलीय बैठकें कर रहे हैं। इसी तरह, सभी 28 राज्यों और 8 संघ राज्य-क्षेत्रों के सभी 788 जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) और 36 सीईओ को जिला और राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र स्तर पर ऐसी बैठकों का आयोजन करने तथा लंबित मुद्दों का समाधान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम 1960, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 में निर्धारित कानूनी ढांचे और आयोग द्वारा समय-समय पर जारी मैनुअल, दिशा-निर्देशों और अनुदेशों के भीतर करने का निदेश दिया गया है। राष्ट्रीय/राज्यीय राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी के साथ ये बैठकें पहले ही शुरू हो चुकी हैं। ऐसी सभी बैठकें पूरे देश में प्रत्येक विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र, जिले और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में 31 मार्च, 2025 तक पूरी कर ली जाएंगी।

यह कदम आयोग द्वारा 4 मार्च, 2025 को आईआईआईडीईएम, नई दिल्ली में आयोजित सभी राज्यों/संघ राज्य-क्षेत्रों के सीईओ और प्रत्येक राज्य से एक डीईओ और ईआरओ की भागीदारी वाले सम्मेलन के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में तथा निर्वाचन आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधु और डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में दिए गए निदेशों के अनुरूप है।

राजनीतिक दलों और उनके अधिकृत प्रतिनिधियों जैसे बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए), पोलिंग एजेंटों, काउंटिंग एजेंटों और चुनाव एजेंटों की चुनाव संचालन सहित विभिन्न चुनावी प्रक्रियाओं में विशिष्ट भूमिकाएं होती हैं।

विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में आयोजित बैठकों में सक्रिय रूप से और उत्साहपूर्वक भाग लेकर राजनीतिक दलों द्वारा जमीनी स्तर पर उनकी इस प्रकार की भागीदारी का स्वागत किया गया है। आयोग सभी राष्ट्रीय/राज्यीय राजनीतिक दलों से अपील करता है कि वे किसी भी लंबित मुद्दे को समयबद्ध तरीके से हल करने के लिए चुनाव अधिकारियों के साथ अपनी इस जमीनी स्तर की भागीदारी का सक्रियतापूर्वक लाभ उठाएं। राष्ट्रव्यापी स्तर पर आयोजित राजनीतिक दलों की इन बैठकों की तस्वीरें आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल: @ECISVEEP पर देखी जा सकती हैं।

इंदौर में पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने पूछा- राहुल किस मेरिट के आधार पर विपक्ष के नेता बने

इंदौर। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनका ज्ञानभरा वक्तव्य आया है कि इस देश में मेरिट नाम की चीज सही काम नहीं करती है। मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि वह किस मेरिट से विपक्ष के नेता बने हैं। मेरिट के नियमों की सरासर अवहेलना उनकी नियुक्ति में की गई है। राहुल गांधी होमवर्क नहीं करते या उन्हें ट्यूटर बदलने की जरूरत है, जो उन्हें भारत की सही जानकारी दे। वे घोर माओवादियों के प्रभाव में नजर आ रहे हैं।

शिवाजी और औरंगजेब दो व्यक्तित्व हैं- शनिवार को इंदौर में पत्रकारवार्ता करते हुए पूर्व मंत्री रविशंकर ने कहा कि शिवाजी और औरंगजेब दो व्यक्तित्व हैं। औरंगजेब कभी भारत की विरासत नहीं हो सकता।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक में मुस्लिमों को चार प्रतिशत आरक्षण देने के निर्णय से ओबीसी का हक मारा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देश हैं कि उपासना पद्धति के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता।

औरंगजेब की कब्र हटाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इसका निर्णय राज्य सरकार लेगी।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक में मुस्लिमों को आरक्षण देना स्पष्ट कर रहा है कि कांग्रेस वोट बैंक की लालसा में अपना वजूद खत्म करेगी।

कॉलोनियों की विकास अनुमति, लायसेंस आदि के लिये अब भटकना नहीं पड़ेगा

कलेक्टर श्री आशीष सिंह की पहल पर नवाचार के तहत ऑनलाइन व्यवस्था

इंदौर। इंदौर जिले में नयी कॉलोनियों को विक?सित करने की अनुमति और कॉलोनाईजर के लायसेंस के लिए अब किसी भी कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने होंगे। इधर-उधर भी नहीं भटकना होगा। कॉलोनियों की विकास अनुमति और कॉलोनाईजर के लायसेंस के लिए आवेदन लेने और अनुमति जारी करने और लायसेंस देने के लिए कलेक?टर श्री आशीष सिंह की पहल पर नवाचार के तहत ऑनलाइन व्यवस्था शुरू की गई है। इसके तहत कॉलोनाईजर रजिस्ट्रेशन एवं ऑनलाइन परमिशन सिस्टम (क्रॉप्स) इंदौर नाम से पोर्टल तैयार किया गया है।

यह जानकारी आज यहां कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में दी गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल, क्रेडाई के श्री संदीप श्रीवास्तव सहित अन्य कॉलोनाईजर, डेवलपर्स, संबंधित विभागों के अधिकारी आदि मौजूद थे। बैठक में सभी ने कलेक्टर श्री आशीष सिंह के इस नवाचार की सराहना की और कहा कि इससे विकास अनुमति और लायसेंस प्राप्त करने में बेहद सुविधा होगी। हमें इधर-उधर नहीं भटकना होगा। काम सहजता के साथ होगा। समय की बचत भी होगी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि यह ऑनलाइन व्यवस्था एक अभिनव व्यवस्था है। कॉलोनाईजर और डेवलपर्स के लिए बेहद मददगार होगी। कॉलोनाईजर और डेवलपर्स के सुझाव और उनके अनुभव के आधार पर पोर्टल को ओर अधिक बेहतर तथा सुविधाजनक बनाया जायेगा। बताया गया कि इस पोर्टल में कॉलोनियों की विकास अनुमति जारी करने और लायसेंस बनाने के लिए ऑनलाइन आवेदन लिये जायेंगे।

इंदौर में चलेगा जल गंगा जल संरक्षण अभियान

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार इंदौर जिले में जल गंगा जल संरक्षण अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान के अंतर्गत जहां एक ओर नये तालाब बनाये जायेंगे, वहीं दूसरी ओर पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार कराया जायेगा। साथ ही सघन वृक्षारोपण भी होगा। इसके लिए जिले में विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। यह अभियान 30 मार्च से प्रारंभ होकर आगामी 30 जून तक सतत चलेगा।

यह जानकारी आज यहाँ जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय में सम्पन्न हुई बैठक में दी गई। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह, जिला पंचायत के सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, श्री मनोज पटेल तथा श्री मधु वर्मा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री भारत सिंह पटेल, श्री श्रवण चावड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार यह अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। यह अभियान जन-जन के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। जल है तो कल है, जल से आने वाली ?पीढ़ी का भविष्य जुड़ा हुआ है। जल चिन्ता व चिंतन दोनों का विषय है। जल हमारी धरोहर है। हमारी संस्कृति एवं परंपरा में जल और वृक्षों की पूजा का बड़ा महत्व है, इसको देखते हुए इस अभियान को बेहतर और प्रभावी रूप से क्रियान्वित करना होगा। इस अभियान समाज के हर वर्ग की भागीदारी से जन आंदोलन बनाया जायेगा। हमारा प्रयास होगा की यह अभियान एक आदर्श और अनुकरणीय हो तथा देश में नम्बर वन बनें। बैठक के पश्चात अतिथियों ने कलेक्टर कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि इस अभियान को सभी के सहयोग से जन आंदोलन के रूप में चलाया जायेगा। अभियान में जल संरक्षण के साथ ही वृक्षारोपण पर भी विशेष ध्यान दिया जायेगा। बैठक में बताया गया कि अभियान के तहत शुरूआत में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व वाले तालाबों, जल स्त्रोतों तथा देवालयों में जल संरक्षण के कार्य किये जायेंगे। जल गंगा जल संरक्षण अभियान की शुरुआत 30 मार्च 2025 से की जायेगी। इस अभियान में जल स्त्रोतों और देवालयों की सफाई की योजना बनाई जाएगी। यह संतों, जन प्रतिनिधियों, स्थानीय समुदाय और सरकार के संयुक्त प्रयास से संचालित होगा, जिसमें मशीन, सामग्री व श्रम का समुचित नियोजन किया जाएगा । कार्य पूर्ण होने पर वरुण पूजन और जल अभिषेक होगा तथा रखरखाव की जिम्मेदारी स्थानीय समुदायों को दी जाएगी।

बनेंगे 19 नये अमृत सरोवर- जिले में गत वर्ष चलाये गये अभियान के तहत 101 नये अमृत सरोवर बनाये गये थे। इन सरोवरों को राजस्व अभिलेखों में दर्ज करने की कार्यवाही की जायेगी। अभियान में अमृत सरोवर 2.0 के तहत 19 नए तालाबों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है, जिस पर लगभग 4 करोड़ 18 लाख रुपये व्यय होना संभावित है । अब तक 10 स्थलों का चयन हो चुका है, जबकि शेष का चयन 30 मार्च 2025 तक वैज्ञानिक पद्धति से किया जाएगा। तालाबों से हटेंगे अतिक्रमण- अभियान के तहत राजस्व विभाग के साथ तालाबों का सीमांकन किया जायेगा। राजस्व अभिलेखों में नवीन तालाबों को दर्ज किया जायेगा। तालाबों पर अतिक्रमण को चिन्हित कर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जायेगी। तालाबों की सीमा को दर्शाने हेतु चाँदे-मुनारे बनाये जायेंगे। तालाबों का जन भागीदारी से गहरीकरण होगा।

हॉटलाइन मेंटेनेन्स करने वाले कर्मियों का भत्ता हुआ दोगुना

इंदौर। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देश पर मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी (एम.पी. ट्रांसको) में एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइनों एवं सब-स्टेशनों का हॉटलाइन पद्धति से बिना शट-डाउन लिये मेंटेनेन्स जॉब/ऑपरेशन करने वाले कर्मियों के भत्ते में दोगुनी बढ़ोतरी की गई है। साथ ही प्रति ऑपरेशन के लिये दिये जाने वाले भत्ते में भी दोगुनी वृद्धि कर दी गई है।40 रुपये के स्थान पर मिलेगा अब 80 रुपए प्रति ऑपरेशन- भत्ता अब दोगुना मिलेगा। पहले यह 6 रुपये से 40 रुपये के मध्य मिलता था, अब यह 12 रूपये से 80 रुपये तक प्रति जॉब/ऑपरेशन के हिसाब से मिलेगा। हॉटलाइन पद्धति के माध्यम से बिना शट-डाउन लिये एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइनों का मेंटेनेन्स जॉब करने के लिये कार्मिक की सहमति आवश्यक होती है। एम.पी. ट्रांसको द्वारा उन कार्मिकों को बैंगलुरु के केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण से प्रशिक्षण दिलवाने के बाद ही वह जॉब/ऑपरेशन के लिये पात्र होता है।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

सभी गौशालाओं में सौलर पैनल लगवाकर, ग्रीन गौशालाएं बनाएं- श्री संजय गुप्ता

उज्जैन। संभागायुक्त उज्जैन श्री संजय गुप्ता ने रविवार को नीमच में जिला पंचायत कार्यालय का निरीक्षण कर विभागीय योजनाओ की बिंदुवार समीक्षा की।

संभागायुक्त श्री गुप्ता ने जिले में सभी गौशालाओं को सौर ऊर्जा से रोशन करवाने के लिए सौलर पैनल लगवाने और अपूर्ण गौशालाओं को समय-सीमा में पूर्ण कर हैंड ओवर करने के निर्देश दिए। उन्होंने गौवंश को दान-दाताओं को देकर नस्ल सुधार के निर्देश दिए। साथ ही गौशालाओं में दुधारू पशुओं को रखने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

बैठक में संभागायुक्त श्री गुप्ता ने निर्देश दिए, कि पुराने सभी शेष रहे अपूर्ण कार्यो को प्राथमिकता से पूर्ण करवाएं। नदी पुर्नजीवन कार्यक्रम के तहत नदियों के ऊपर उपयुक्त स्थानों पर श्रृंखलाबद्ध स्टाप डेम एवं चेक डेम का निर्माण

करवाए। इसके लिए जल संसाधन विभाग के साथ मिलकर, कार्ययोजना तैयार करने के भी निर्देश दिए। उन्होने अमृत सरोवरों को मत्स्य पालन के लिए पट्टे पर देने के निर्देश भी दिए।

जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव ने अवगत कराया कि जिले में 51 में से 46 गौशालाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है, इनमें से 27 गौशालाओं में गौवंश, पशुधन रखकर देखभाल की जा रही है। इन गौशालाओं में 2130 पशुधन की देखभाल की जा रही है। संभागायुक्त ने शेष 5 प्रगतिरत गौशालाओं का निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण करवाने और सभी गौशालाओं में सौलर पैनल लगवाकर, सौर ऊर्जा से गौशाओं को रोशन करवाने के निर्देश देते हुए कहा, कि गौशालाओं को ग्रीन गौशालाएं बनाए। उन्होने जिले की गौशालाओं में दुधारू पशुओं को भी रखने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। आजीविका मिशन की समीक्षा में बताया गया, कि जिले में 42 दिव्यांग स्व सहायता समूह गठित किए गए है। इनसे 224 परिवारों को जोड़ा गया है। जिले में कुल 2928 स्व सहायता समूह गठित किए गए है। संभागायुक्त ने ओला एवं उबर की तर्ज पर ड्रोन के उपयोग को बढ़ावा देने तथा कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक बढ़ाने के निर्देश भी दिए।

संभागायुक्त ने प्रधानमंत्री आवास निर्माण कार्यो की प्रगति की समीक्षा में शेष आवास निर्माण कार्य भी शीघ्रता से पूर्ण करवाने के निर्देश भी दिए। जिला पंचायत सीईओ ने अवगत कराया कि आवास प्लस सर्वे के तहत 26600 हितग्राहियों ने अपना नवीन पंजीयन करवाया है। इन हितग्राहियों का सत्यापन कर, इनकों आवास सूची में शामिल किया जावेगा।

एक साइकिल बनाये दो काम, पर्यावरण सुरक्षा और व्यायाम

फिट इंडिया अवेयरनेस के तहत हुई फिट इंडिया साइकिलिंग

उज्जैन। भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट के लिए शहरवासियो को फिट रखने, प्रदूषण को दूर रखने एवं बीमारियों से बचने के लिए फिट इंडिया अवेयरनेस के तहत 23 मार्च को देशवाली समाज अखाड़े से फिट इंडिया साइकिलिंग का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि अनंतनारायण मीणा देशवाली समाज अखाड़ा के संरक्षक व पूर्व एल्डरमैन वरिष्ठ लक्ष्मणसिंह साहनी ने साइकलिंग को झंडी देकर रवाना किया। कुश्ती प्रशिक्षक हरीश राजोरा के द्वारा सबसे पहले साइकलिंग में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को फिट इंडिया की टी- शर्ट दी गई। साइकिलिंग सुबह 7 बजे देश वाली अखाड़ा से काजीपुरा, मंगलनाथ, सिद्धवट, वीर सावरकर प्याऊ, इमली चौराहा से होकर वापस देशवाली अखाड़े पर संपन्न हुई। कुश्ती प्रशिक्षक गौरव आर्य ने बताया हमारे सहयोगी सोसाइटी ऑफ ग्लोबल साइकलिंग संस्था के उत्कर्ष सिंह, तुषार पिलेवाल, यश प्रजापति, दीपक गौरना, मोतीलाल डांगरे, डॉ. चित्रा जैन, गौरव आर्य और संस्था युथ हॉस्टल उज्जैन से डॉ. निर्दोष पाठक, अशोक वर्मा, राजेश योहाना, गोपाल महाकाल की भी सहभागिता रही। मंच का संचालन लीलाधर जादव ने किया। आभार अनिल निकम के द्वारा किया गया।

उज्जैन की काल भैरव डॉक्युमेंट्री फिल्म राष्ट्रीय पुरस्कार से हुई सम्मानित

उज्जैन। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में लगातार तीसरी बार उज्जैन ने अपना परचम लहराया है द्य मंथन इंडिया फिल्म्स द्वारा बनाई गई काल भैरव फिल्म को 45 अंतर्राष्ट्रीय फिल्मों में से चुनकर श्रेष्ठ आध्यात्मिक राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ द्य फिल्म के निर्देशक दीपक कोडापे ने बताया कि उत्तर प्रदेश टूरिज्म द्वारा गोरखपुर में धर्म एवं अध्यात्म पर आधारित अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म समारोह का आयोजन किया गया।

सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी ने किया शहीदों का स्मरण

उज्जैन। महान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के 94वें बलिदान दिवस पर शहीद पार्क स्थित शहीद स्मारक पर शहीदों का स्मरण किया।

सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष पंकज जायसवाल एवं संरक्षक सैयद अबीद अली मीर ने बताया कि संस्था द्वारा शहीद पार्क स्थित शहीद स्मारक पर महान क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के 94वें बलिदान दिवस पर क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव एवं मातृभूमि के लिए अपना सर्वोच्च निछावर करने वाले सभी वीरों का स्मरण किया गया। समाजसेवी मो. इकबाल उस्मानी ने शहीदों का स्मरण करते हुए कहा जालिम अंग्रेज हुकूमत ने देश के महान क्रांतिकारी योद्धा भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव को 23 मार्च 1931 को लाहौर मे कायराना हरकत करते हुए फांसी की सजा दी थी। भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव और अन्य वीर योद्धाओं के बलिदान को यह देश कभी भुला नहीं पाएगा। भगत सिंह महान क्रांतिकारी सांप्रदायिक सद्भाव और एकता के प्रतीक थे।

प्रजापति चौरासी संघ का भव्य एवं परम्परागत आयोजन

श्रीयादे शीतला सप्तमी महोत्सव धूमधाम एवं हर्षोल्लसास के साथ सम्पन्न

उज्जैन। प्रजापति समाज की आराध्या मॉं श्री यादे का स्मरण दिवस शीतला सप्तमी पर्व दिनांक 21 मार्च 2025 को परम्परागत रूप से धूमधाम के साथ मनाया गया। जानकारी देते हुए प्रजापति चौरासी संघ के अध्यक्ष एवं पूर्व माटीकला बोर्ड अध्यक्ष श्री अशोक प्रजापत ने बताया कि प्रजापति चौरासी संघ अपनी आराध्य मॉं श्रीयादे का स्मरण दिवस परम्परागत रूप से मनाता आ रहा है। इसी कडी में इस दिन दोपहर 03 बजे चौबीस खंबा माता मंदिर से माता श्रीयादे की शोभायात्रा निकाली गई जिसमें सुसज्जित बग्घियों में मॉं श्रीयादे की प्रतिमा के साथ ही सम्मानित होने वाली मातृशक्तियों को बैठाया गया ढोल, नगाडों एवं बैंड के साथ यह यात्रा पटनी बजार, गोपाल मंदिर, ढाबा रोड, दानीगेट, चंद्र धर्मशाला, के सामने से होती हुई बम्बई वालों की धर्मशाला मार्ग से श्रीयादे माता मदिर एवं धर्मशाला तीर्थस्थल रामघाट पर

पहुंची जहां अन्य सारस्वत आयोजन पूर्ण हुए। संपूर्ण यात्रा मार्ग मे संघ की विभिन्न इकाईयों द्वारा शोभायात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक अशोक बेतडलिया एवं सह संयोजक मनोहर प्रजापित सुरासा ने बताया कि इस बार प्रथम बार समाज में आजीवन सेवा देने के लिए श्री बद्रीलाल चावडा (सेवानिवृत्त पटवारी) का राष्ट्रीय श्रीयादे अवार्ड देकर सम्मान किया गया हैं उनकों यह सम्मान निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव एवं महापौर मुकेश टटवाल एवं संघ के सभी इकाई अध्यक्ष एवं गणमान्य सदस्य की उपस्थिति में प्रदान किया गया। कार्यक्रम के सह संयोजक मनोहर प्रजापति सुरासा ने बताया कि इस इस अवसर पर वरिष्ठजन एवं मातृशक्तियों का सम्मान किया गया इस अवसर पर सम्मानित होने वाले वरिष्ठजनों एवं मातृशक्तियों में सर्व श्री पूर्विया इकाई से फकिरचंद्र कुंभकार एवं प्रेमबाई पति विष्णुलाल सांवरे, लश्करी इकाई से हरिराम प्रजापति एवं श्रीमती कलाबाई प्रजापति, ब्रजवासी इकाई से रमेशचंद्र प्रजापति एवं श्रीमती चंद्रकांता प्रजापति, मेवाडा नलियाबाखल से श्री छोगालाल प्रजापति एवं श्रीमती दरोपति प्रजापति, मालवी इकाई से सालगराम पटेल एवं श्रीमती सुगनबाई प्रजापति, मारवाडा इकाई से मोहनलाल मंगरौला एवं श्रीमती भूलीबाई मंगरौला, हाडोतिया इकाई से श्री देवीलाल धामोनिया एवं श्रीमती कलावती कुसुम्बीवाल, मारू इकाई से श्री जगदीशचंद्र मंगरौला एवं श्रीमती शशिकला प्रजापत, मेवाडा नयापुरा से श्री मदनलाल साबलिया एवं श्रीमती श्यामूबाई साबलिया, बरदिया इकाई से राधेश्याम वर्मा एवं श्रीमती निर्मला प्रजापति का सम्मान किया गया।

पारिवारिक होली मिलन समारोह में किया पदाधिकारियों का सम्मान

उज्जैन। म्युचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन द्वारा पारिवारिक होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें उज्जैन शहर के सभी एमफी रजिस्टर डिस्ट्रीब्यूटर, परिवार सहित सम्मलित हुए। समारोह में सभी सदस्यों को गुलाल लगाकर होली खेली वहीं बच्चों एवं कपल के लिए ढेर सारे गेम और लक्की ड्रॉ का आयोजन किया गया, विजेताओं को उपहार दिए गए।

कार्यक्रम स्थल पर प्रथम आने वाले 10 सदस्यों को विशेष पुरस्कार दिए गए। म्यूच्यूअल फण्ड की सभी बड़ी कंपनी निप्पोन, एचडीएफसी, एसबीई, बिरला, बंधन, एक्सिस, यूटीआई, महिंद्रा, सेमको, कोटक के प्रतिनिधि भी परिवार सहित सम्मलित हुए। संस्था द्वारा सभी कंपनी पदाधिकारियों का मालवी स्वागत परंपरा के अनुरूप मालवी पगड़ी एवं माला पहना कर सम्मानित किया गया। समारोह में उज्जैन म्यूच्यूअल फण्ड एसोसिशन के संरक्षक अभिलाष जैन, आशीष धारीवाल, अध्यक्ष गोपाल कृष्ण पंड्या, सचिव वैभव बंसल, कोषाध्यक्ष अनुपम अग्रवाल, उपाध्यक्ष अजय तिवारी, सहसचिव विजय सोनी, विपुल जैन, यतीश बोहरा, हिमांशु शर्मा, अनुप श्रीवास्तव, प्रमोद जेथलिया, अंशुल पाटीदार अनिल दिसावल आदि परिवार सहित सम्मलित हुए।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com